Eco
Sem-3

आय का चक्रीय प्रवाह
Circular flow of income

- आय का चक्रीय प्रवाह एक आर्थिक मॉडल है जो दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था में पैसा, वस्तुएं और सेवाएँ कैसे प्रवाहित होती हैं। धन - वस्तुओं — सेवाओं
- यह परिवारों और फर्मों के बीच धन और संसाधनों के निरंतर आदान - प्रदान को दर्शाता है।
- ~~परिवार~~ → ~~श्रम~~, ~~भूमि~~, ~~पूंजी~~
- परिवार उत्पादन के लिए संसाधन (जैसे श्रम, भूमि, पूंजी) प्रदान करते हैं और फर्मों से वस्तुएं और सेवाएं खरीदते हैं, जिनके बदले फर्म उन्हें मजदूरी, किराया और लाभ के रूप में भुगतान करती हैं। यह मॉडल अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझने में मदद करता है, जिसमें आय के प्रवाह (रिसाव) और अर्थव्यवस्था में वापस आनेवाले धन (जरूरी) जैसे कारक शामिल हैं।

उत्पादन = आय = व्यय

आय के चक्रीय प्रवाह के मॉडल —
- ⇒ वास्तविक प्रवाह मॉडल
- ⇒ मौद्रिक प्रवाह मॉडल
- ⇒ द्विक्षेत्रीय चक्रीय प्रवाह मॉडल
- ⇒ त्रिक्षेत्रीय चक्रीय प्रवाह मॉडल
- ⇒ चतुर्क्षेत्रीय चक्रीय प्रवाह मॉडल

आय के चक्रीय प्रवाह के मुख्य भाग —
- परिवार → वे लोग जो उत्पादन के कारकों को उपलब्ध कराते हैं और फर्मों से सामान और सेवाओं को खरीदते हैं।
- फर्म (व्यवसाय) → वे संस्थाएँ जो उत्पादन के कारकों का उपयोग करके वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती हैं।

Scanned with OKEN Scanner

वास्तविक प्रवाह → परिवारों द्वारा फर्मों को संसाधनों का प्रवाह और फर्मों द्वारा परिवारों को वस्तुओं और सेवाओं का प्रवाह।

मुद्रा प्रवाह → फर्मों से परिवारों का भुगतान और परिवारों द्वारा फर्मों को वस्तुओं और सेवाओं के लिए भुगतान।

- रिसाव → जब अर्थव्यवस्था से पैसा बाहर निकलता है।
- भरपा → जब अर्थव्यवस्था में पैसा वापस आता है।

आय के चक्रिय प्रवाह का महत्व

- यह मॉडल अर्थव्यवस्था की समग्र कार्यप्रणाली को समझने के लिए एक आधार प्रदान करता है।
- यह दर्शाता है कि कैसे परिवार और फर्म एक-दूसरे पर निर्भर हैं।
- यह राष्ट्रीय आय और आर्थिक गतिविधि के विश्लेषण का आधार है।

Dr. Satish Kumar
Asst. Professor
Dept. of Eco
U-R. College, Rosera
Sem- 3

Scanned with OKEN Scanner